अनामिका

समकालीन हिंदी कविता में अपनी एक अलग पहचान रखनेवाली कवयित्री अनामिका का जन्म 17 अगस्त 1961 ई० में मुजफ्फरपुर, बिहार में हुआ । उनके पिता श्यामनंदन किशोर हिंदी के गीतकार और बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष थे । अनामिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम० ए० किया और वहीं से पीएच० डी० की उपाधि पायी । सम्प्रति, वे सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में प्राध्यापिका हैं । अनामिका कविता और गद्य लेखन में एकसाथ सक्रिय हैं । वे हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लिखती हैं । उनकी रचनाएँ हैं – काव्य संकलन : 'गलत पते की चिट्ठी', 'बीजाक्षर', 'अनुष्टुप' आदि; आलोचना : 'पोस्ट-एलिएट पोएट्री', 'स्त्रीत्व का मानचित्र' आदि । संपादन : 'कहती हैं औरतें' (काव्य संकलन) । अनामिका को राष्ट्रभाषा परिषद् पुरस्कार, भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार, गिरिजा कुमार माथुर पुरस्कार, ऋतुराज साहित्यकार सम्मान आदि प्राप्त हो चुके हैं ।

एक कवयित्री और लेखिका के रूप में अनामिका अपने वस्तुपरक समसामयिक बोध और संघर्षशील वंचित जन के प्रति रचनात्मक सहानुभूति के लिए जानी जाती हैं । स्त्री विमर्श में सार्थक हस्तक्षेप करने वाली अनामिका अपनी टिप्पणियों के लिए भी उल्लेखनीय हैं ।

प्रस्तुत कविता समसामयिक कवियों की चुनी गई कविताओं की चर्चित श्रृंखला 'कवि ने कहा' से यहाँ ली गयी है । प्रस्तुत कविता में बच्चों के अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया के कौतुकपूर्ण वर्णन-चित्रण द्वारा कवयित्री गंभीर आशय व्यक्त कर देती हैं ।

अक्षर-ज्ञान

चौखटे में नहीं अँटता
बेटे का 'क'
कबूतर ही है न –
फुदक जाता है जरा-सा !
पंक्ति से उतर जाता है
उसका 'ख'
खरगोश की खालिस बेचैनी में !
गमले-सा टूटता हुआ उसका 'ग'
घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ'
'ङ' पर आकर थमक जाता है
उससे नहीं सधता है 'ङ' ।
'ङ' के 'ड' को वह समझता है 'माँ'
और उसके बगल के बिंदु (·) को मानता है
गोदी में बैठा 'बेटा'

माँ-बेटे सधते नहीं उससे
और उन्हें लिख लेने की
अनवरत कोशिश में
उसके आ जाते हैं आँसू ।
पहली विफलता पर छलके ये आँसू ही
हैं शायद प्रथमाक्षर
सृष्टि की विकास-कथा के ।

बोध और अभ्यास

कविता के साथ

1. कविता में तीन उपस्थितियाँ हैं । स्पष्ट करें कि वे कौन-कौन सी हैं ?
2. कविता में 'क' का विवरण स्पष्ट कीजिए ।
3. खालिस बेचैनी किसकी है ? बेचैनी का क्या अभिप्राय है ?
4. बेटे के लिए 'ङ' क्या है और क्यों ?
5. बेटे के आँसू कब आते हैं और क्यों ?
6. कविता के अंत में कवयित्री 'शायद' अव्यय का क्यों प्रयोग करती हैं ? स्पष्ट कीजिए ।
7. कविता किस तरह एक सांत्वना और आशा जगाती है ? विचार करें ।
8. व्याख्या करें -

   ''गमले-सा टूटता हुआ उसका 'ग'
   घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ' ''

कविता के आस-पास

1. कवयित्री बिहार की हैं । शिक्षक की सहायता से बिहार की अन्य समसामयिक कवयित्रियों की सूची तैयार करें ।
2. अपने संपर्क के किसी एक शिशु को अक्षर-ज्ञान कराएँ और उस दौरान के अपने अनुभव के आधार पर एक टिप्पणी लिखें ।

भाषा की बात

1. निम्नांकित भिन्नार्थक शब्दों के वाक्य-प्रयोग करते हुए अर्थ स्पष्ट करें -

   चौखटा-चोखट, बेटा-बाट, खालिस-खलासी-खलिश, थमना-थमकना-थामना, सधना-साधना-साध, गोदी-गद्दी-गाद, कोशिश-कशिश, विफलता-विकलता
2. कविता में प्रयुक्त क्रियापदों का चयन करते हुए उनसे स्वतंत्र वाक्य बनाएँ ।
3. निम्नांकित के विपरीतार्थक शब्द दें -

   बेटा, कबूतर, माँ, उतरना, टूटना, बेचैनी, अनवरत, आँसू, विफलता, प्रथमाक्षर, विकास-कथा, सृष्टि